...:- 06
...o Economics

Section :- 02

उपभोग
Consumption के अन्तर्गत

B.A. I (Hons)

सीमान्त उपयोगिता (तुष्टिगुण) (Marginal Utility)

Dr. Dineshwar Paswan
Assistant Professor
Deptt. of Economics
MLS College Sarisab-pa...
(Madhubani)
Mobile No:- 997359263...

परिभाषा (Definition)

:— मनुष्य जब किसी आवश्यकता की पूर्ति के लिए किसी ... वस्तु का उपभोग करता है तो प्राय: वह उसकी कई इकाइयों को क्रमशः उपभोग में लाता है। अन्त में, एक ऐसी स्थिति आती है जब वह उसकी ... ज्यादा इकाइयों का उपभोग नहीं करता अथवा नहीं करना चाहता। इस ... जिस इकाई का उपभोग वह सबसे अन्त में करता है उसे सीमान्त इकाई ... में उस इकाई से प्राप्त होनेवाली उपयोगिता को सीमान्त उपयोगिता और इस सीमान्त इकाई ... (Marginal Utility) कहा जाता है। इस प्रकार, किसी खास समय ... उपभोग की जानेवाली वस्तु की अंतिम इकाई को सीमांत इकाई (Marginal Unit) कहते हैं तथा सीमान्त इकाई के उपयोगिता को सीमान्त उपयोगिता (Marginal Utility) कहते हैं अर्थात (Marginal Utility is the utility derived by the last unit of consumption.)। आधुनिक अर्थशास्त्रियों के अनुसार, "किसी वस्तु की एक अतिरिक्त इकाई (Additional Unit) के प्रयोग से कुल उपयोगिता में जो वृद्धि होती है उसे सीमान्त उपयोगिता कहते हैं।" प्रो० बोल्डिंग (Boulding) के अनुसार, "वस्तु की किसी मात्रा ... सीमान्त उपयोगिता कुल उपयोगिता में वृद्धि है जो किसी उपभोग में एक इकाई की वृद्धि के फलस्वरूप होती है," अर्थात (The marginal utility of any quantity of a commodity is the increase in total utility which results from a unit increase in consumption.)।

उदाहरण स्वरूप, (For examples) :—

आम की इकाई	प्राप्त उपयोगिता
1	10
2	8
3	6

अर्थात तीसरा आम सीमान्त इकाई हुआ तथा उसकी उपयोगिता 6 सीमान्त उपयोगिता हुई। कहने का मतलब है कि किसी वस्तु के अंतिम इकाई को सीमान्त इकाई कहते हैं।

Scanned with CamScanner

तथा उसे प्राप्त होनेवाली उपयोगिता को सीमान्त उपयोगिता (Marginal Utility) कहते हैं। सीमान्त उपयोगिता उपभोग में ली गई सबसे अन्तिम इकाई की उपयोगिता है। उसे सीमान्त कह... जाता है कि उस सीमा पर उपभोक्ता इस दुविधा में पड़ जाता है कि आगे उस वस्तु के उपभोग से संतोष प्राप्त होगा या किसी दूसरी वस्तु उपभोग से अधिक तुष्टि होगी। सीमान्त उपयोगिता के बारे में एक महत्वपूर्ण बात याद रखने की है कि सीमान्त उपयोगिता एक गतिशील बिन्दु है जो वस्तु की मात्राओं के साथ परिवर्तित होती रहती है।

उदाहरण :— तालिका

रोटी की इकाई	प्राप्त उपयोगिता
1	25 उपयोगिता के बराबर
2	20 "
3	15 "
4	10 "
(5)	(05) "
	75, कुल उपयोगिता (TU)

इकाई के अनुसार उपयोगिता घटती दर में प्राप्त होती है।

सीमांत उपयोगिता (M.U)

सीमान्त इकाई (Marginal Unit)

इसकी ओर निम्नलिखित रेखा चित्र के द्वारा समझा जा सकता है :—

अर्थात प्रथम रोटी की इकाई से प्राप्त उपयोगिता 25 के बराबर है किन्तु अंतिम रोटी की इकाई से प्राप्त उपयोगिता मात्र 05 है, इसे ही अंतिम इकाई तथा सीमांत इकाई अथवा सीमांत उपयोगिता के नाम से जाना जा सकता है। सूत्र रूप में, व्यक्त किया जा सकता है :—

$$MU_n = TU_n - TU_{(n-1)}$$

(जहाँ, MU_n है nवीं इकाई की सीमांत उपयोगिता, TU है n इकाइयों से प्राप्त कुल उपयोगिता तथा TU_{n-1} है, n-1 इकाइयों से प्राप्त कुल उपयोगिता।)

Scanned with CamScanner